आईसीएआर-आईवीआरआई, मुक्तेश्वर द्वारा ग्राम पिठौली में 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत किसान गोष्ठी आयोजित

पिठौली, 26 अक्टूबर 2026: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईवीआरआई), मुक्तेश्वर द्वारा 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत ग्राम पिठौली में आज दिनांक 26 अक्टूबर 2026 को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जैविक खेती, मृदा नमूना संग्रहण की वैज्ञानिक विधि, पशु रोग प्रबंधन तथा कृषि एवं पशुपालन आधारित उद्यमिता के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. मनीष तोमर ने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा जैविक खेती अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने की विधि, जैविक अपशिष्ट के उपयोग और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में जैविक खाद की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से मृदा नमूना एकत्र करने की प्रक्रिया भी समझाई। इसमें खेत से उपयुक्त स्थानों पर नमूने लेना, नमूनों को सही तरीके से मिलाना, उचित पैकिंग करना तथा नमूनों पर आवश्यक जानकारी के साथ स्पष्ट लेबल लगाना शामिल था। उन्होंने बताया कि मृदा परीक्षण के आधार पर खेत की पोषक तत्वों संबंधी आवश्यकताओं को समझने और संतुलित उर्वरक उपयोग की योजना बनाने में सहायता मिलती है।

इस अवसर पर डॉ. हर्षित वर्मा ने पशुओं के स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने गाय एवं अन्य गोवंश में होने वाले प्रमुख रोगों की रोकथाम, समय पर रोग की पहचान, उचित देखभाल तथा बकरियों में होने वाले प्रमुख रोगों के प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पशुओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी, स्वच्छता, संतुलित आहार और समय पर पशु चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर भी जोर दिया।

डॉ. हर्षित वर्मा ने विशेष रूप से महिला किसानों को कृषि एवं पशुपालन आधारित उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक पशुपालन, बकरी पालन

तथा अन्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल आय-सृजन गतिविधियों को अपनाकर महिलाएँ परिवार की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

गोष्ठी के माध्यम से किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जैविक खेती, वैज्ञानिक मृदा परीक्षण, पशु रोगों की रोकथाम तथा स्वरोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम ने टिकाऊ कृषि और कृषि एवं पशुपालन आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में उपयोगी जानकारी प्रदान की।